>

Title: The Minister of State of the Ministry of Science and Technology made a statement regarding the issue of Civil Services Examination conducted by UPSC.

HON. SPEAKER: Now, Dr. Jitendra Singh to make a statement regarding the issue of Civil Services Examination conducted by UPSC.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री, प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह) : आदरणीय अध्यक्षा जी, हम आपके माध्यम से सदन के माननीय सदस्यों को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि यूपीएससी सिविल सर्विस की परीक्षा को लेकर सरकार विद्यार्थियों की चिंता पूरी गम्भीरता, पूरी सहानुभूति और पूरी संवेदनशीलता के साथ कर रही है। ...(व्यवधान) हम कतई नहीं चाहेंगे कि भाषा के कारण या किसी अन्य कारण से किसी भी विद्यार्थी वर्ग से पक्षपात अथवा अन्याय हो।...(व्यवधान) इस विषय का अध्ययन करने के लिए और इस पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक समिति गठित की गई थी 12 मार्च, 2014 में, वर्तमान सरकार के सत्ता में आने से पहले...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप पहले स्टेटमेंट सुन लें, बाद में इस पर चर्चा मांग लेना।

...(व्यवधान)

डॉ. जितेन्द्र सिंह: लेकिन उस समिति की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। हमने लिखित रूप में उस समिति को यह निर्देश दिया है कि बिना और विलम्ब किए हुए...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप अपना स्टेटमेंट ले कर दें।

डॉ. जितेन्द्र सिंह: तुंत इस रिपोर्ट को उपलब्ध कराए, ताकि उसका संज्ञान लेकर आगे की रूपरेखा तय की जा सके। अध्यक्षा जी, मैं आपके माध्यम से इन विद्यार्थियों से विनम्र निवेदन करता हूं कि वे अनावश्यक तौर पर अपने आपको किसी शारीरिक तौर पर अथवा मानसिक क्लेश में न डालें।...(व्यवधान) क्योंकि सरकार पहले ही इस विषय को बड़ी गम्भीरता से ले रही है।

माननीय अध्यक्ष: आप अपना स्टेटमेंट ले कर दें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने इस विषय पर चर्चा मांगी है, मिल जाएगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: पहले मेरी बात सुन लें। पप्पू यादव जी, आप अपनी सीट पर जाएं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपका कॉलिंग अटेंशन हो या अन्य नियम के तहत हो।

...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) : इस पर चर्चा की अनुमति दी जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं आपको बताना चाहूंगी कि आपको चर्चा से वंचित नहीं किया जा रहा है। जिस विधा में भी आप चाहें चर्चा के लिए मना नहीं किया है। उनका वक्तव्य टेबल हो गया है, आप अपनी चर्चा में उस विषय को उठा सकते हैं, आपको चांस मिलेगा।

श्री ज्योतिरादित्व माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, जब संसद सदस्यों ने यह मामला कल गंभीरता से उठाया था और आपको निवेदन किया कि इस पर डिस्कशन होना चाहिए और आपने मना नहीं किया है तो हमारी आपत्ति यह है कि जब मुद्दा उठाया गया है तो सरकार को संसद सदस्यों की बात स्टेटमेंट देने से पहले सुननी चाहिए, जिस पर हस्ताक्षर भी नहीं हैं। किस आधार पर इसे एडमिट किया गया, जब पहले ही सांसदों ने इस मुद्दे को उठाया है। जो प्रोसीजर है उसके मुताबिक पहले इन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जाए, उसके बाद जवाब आये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बात सुनना चाहते हैं तो एक मिनट मेरी बात समझ तो लो। इसे दो बार, तीन बार उठाया जा चुका है, यह मामला उठ चुका है और जीरो-आवर में भी उठा है। मैंने आपको यह भी कहा है कि किसी विधा में भी और अभी भी इसे उठाने के लिए मना नहीं है। अगर मिनिस्टर स्टेटमेंट देना चाहे तो स्टेटमेंट देने से हम रोक नहीं सकते हैं। बाद में आप चर्चा उठाएं तो उस पर चर्चा हो सकती है।

...(व्यवधान)

-